जिसके हृदय में भगवान होते है,उसे हर कण कण में होते है भगवान के दर्शन

इंदौर। हर व्यक्ति अपने बच्चो को अच्छे संस्कार दे,उन्हे संस्कारित करे,बच्चो को मंदिर ले जाए भगवान के दर्शन कराए,बच्चो को हनुमान चालीसा का पाठ बचपन से करना सिखाएं,उससे युवा पीढ़ी धर्म के प्रति जाग्रत होगी, प्रत्येक घर में बनने वाले भोजन को प्रसादी समझकर ही ग्रहण करना चाहिए,पहले भगवान को प्रसादी का भोग लगाए फिर उसे ग्रहण करे।

हरि का आश्रय लेकर जीवन में जीना चाहिए,मंदिरों में मूर्ति नही स्वयं भगवान विराजते है, जिसके हृदय में भगवान होते है उसी को भगवान के दर्शन होते है,उसे हर कण कण में भगवान दिखते है,भगवान के नाम में आनंद ही आनंद है, जो व्यक्ति भगवान का भजन सकीर्तन करता है उसके हृदय में भगवान जरूर होते है,भगवान हरि स्मरण प्रतिदिन करना चाहिए। यह बाते ब्रज रत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के पहले दिन कही। उन्होंने कहा कि जीवन में सत्कर्म करते चले। आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि सात श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत हुई। कथा की शुरुआत में व्यासपीठ का पूजन कथा के संरक्षक विधायक रमेश मेंदोला ने किया।

ब्याजखोरो ने वसूली के लिए धमकाया

इंदौर। आजाद नगर के इंदिरा एकता नगर मूसाखेड़ी की ममता श्याम बेलीन ने मोहल्ले की संगीता से कर्ज लिया वह ब्याज देती रही। अब उसे मूलधन और ज्यादा ब्याज देने के नाम पर संगीत और नारायणद्ध के साथ मिलकर धमकाया उसे हत्या की धमकी भी दी गई।